घोषणा - पत्र

मैं **प्रकाश** घोषणा करता हूँ कि **एम. फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)** के लिए प्रस्तुत **सुदर्शन की कहानियों में सामाजिक-जीवन** विषय पर लघु शोध- प्रबंध मेरा पूर्णतः मौलिक कार्य है तथा मेरे संज्ञान में इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(प्रकाश)
एम. फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य)
सत्र - 2013-14, साहित्य विद्यापीठ
पंजी. क्र. 2013/04/205/014

दिनांक: 15.04.2014
स्थान: **वर्धा**

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री प्रकाश** ने सत्र 2013-14 में एम. फिल. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम के अंतर्गत **सुदर्शन की कहानियों में सामाजिक-जीवन** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में संपन्न किया है। यह इनके निजी उद्यम का परिणाम है।

मैं इस लघु शोध-प्रबंध को परीक्षणार्थ प्रस्तुत किए जाने की सहर्ष अनुमति प्रदान कसा हूँ।

(डॉ. बीर पाल सिंह यादव)

अनुक्रम

	पृ.सं.
भूमिका	**01-03**
पहला अध्याय : हिंदी कहानी की पृष्ठभूमि	**04-16**
1.1 प्रेमचंद पूर्वयुग	
1.2 प्रेमचंद युग और सुदर्शन	
दूसरा अध्याय – युगीन संदर्भ: सुदर्शन की कहानियाँ	**17-40**
2.1 सामाजिक स्वरूप	
2.2 आर्थिक स्वरूप	
2.3 धार्मिक स्वरूप	
2.4 राजनीतिक स्वरूप	
तीसरा अध्याय – सुदर्शन की कहानियों में सामाजिक जीवन	**41-69**
3.1 पारिवारिक चित्रण	
3.2 नारी-प्रश्न	
3.3 जाति-व्यवस्था	
चौथा अध्याय – सुदर्शन की कहानियों में शिल्प-विधान	**70-81**
4.1 भाषा	
4.2 शैली	
उपसंहार	**82-85**
संदर्भ ग्रंथ सूची	**86-89**